

2364 I

2364 I

191 →
Kāthā choyā
Pitā vidhī

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a historical form of Devanagari. The paper is aged and shows signs of wear, including a large tear on the left side and some discoloration. The text is written in a cursive style, with some characters being more stylized than others. The overall appearance is that of an old, well-used manuscript.

कम कलिना धानधनाय
 वरुसत्यादा ॐ देवलि
 दृक् रे शानि सत्यनक
 दुआदुदुसादा ॥ धान
 मधस ॥ काने ॥
 उनमः चक्षुकाये ॥ ६ न
 भाका मा नीये ॥ ६ नने च
 दुहेलेवाये ॥ ६ दिवकस
 कि हेमैव ॥ ६ य निउप
 मानीने ॥ सधका मात्यावा
 रुयदवी ॥ धानधनाय ॥
 मुगे ॥ धान लायक ॥ ६
 कीधी देह ददवी नरु
 ग हासवि द्वा माय देह
 स्यादा ॥ ६ य ॥ ६ चका मा
 नी ददवी ॥ ६ मा ला क
 ॥ ६ न न ॥ ६ देह स्यादा ॥
 ॥ ६ न ॥ ६ का मा नी न क

वर्धन ॥ मय नवाहनी
 वरुहज ॥ दिव्य पाणि च
 अप वरुहाया ॥ १ की क
 क लो ति धानि नी ॥ पाया
 दि ॥ ६ देह ॥ ६ का मा नी य
 नम स्यादा ॥ ६ न क व ध
 यनम स्यादा ॥ ६ ल न च रु
 हेनवाय नम स्यादा ॥ ६ क
 व व ध ॥ य नम स्यादा ॥ ६
 मय नो सय नम स्यादा ॥
 ६ लो च ल स्यादा नम स्यादा ॥
 ६ मा नी दप व स नम स्यादा ॥
 ६ क द व द ॥ नम स्यादा ॥
 ६ न क ॥ ६ ध ॥ ६ धा य न
 म स्यादा ॥ ६ अ नु ग दा सर
 ॥ ६ य ॥ ६ नम स्यादा ॥ ६ न
 ल स्यादा ॥ ६ य नम स्यादा ॥
 ॥ ६ न ॥ ६ न क च न

अन्तर्हि ॥ कनवीनस्त्रा ॥ अर
 नाव ॥ हि स्त्री ॥ रुगमास ॥ द्विनु
 ध्या ॥ इ को मा नी न क व भू
 व का न वीरु सीरवा ॥ स्त्राय
 आ वि न्द्रया जय ॥ न कि म य न
 वाननी ॥ इ न म ॥ श्री न लव
 नु हे ले वाय ॥ क भू व भू म हा
 वीरि ॥ रु ल व न म सु ग ॥ य न
 वलि ॥ इ म ध का मा नी ॥ इ
 ने ल व नु हे न वाय ॥ ॐ इ व
 लि नु क ॥ म य न वा रु नी द
 वीरु ॥ इ रु ॥ स्त्रा रु ॥ उ व स
 नाग ॥ क ग न ॥ इ न म मी य
 या न य ॥ अ न प र्श्या न म सु ग
 म य पा न ॥ इ को श्री इ रु म य
 पा न इ अ रु ॥ इ स्त्रा रु ॥ ध्या
 इ मी य पा न य ध र्प अ व न न र
 इ रु ॥ स्त्रा रु ॥ इ न म मी य पा
 न ना ग लो जा य ॥ पा या अ वि म
 नी य स्त्रा रु ॥ स्त्रा न वा य ॥ इ म

य पा ले ना ग ना जा य न म स्त्रा
 रु ॥ इ रु ॥ न न दि ना रु न
 म स्त्रा रु ॥ इ य व ग व भू य न
 म स्त्रा रु ॥ व र्ग ॥ श्री य भू ॥
 वा की न स्त्रा ॥ न कि ध य ॥ इ न
 म मी य पा ले ना ग ना जा य
 य न व र्ग म हा वि र्ग ॥ सी य पा
 न न म सु भ ॥ व र्ग ॥ इ न म
 मी य पा ले ना ग ना जा य ॥ ॐ इ
 व सी ॥ म रु क ॥ म मी न ॥ प र्श्या इ
 न रु रु ॥ स्त्रा रु ॥ उ व स व
 अ य नी ॥ वि ग न ॥ इ प र्श्या अ
 य नी ॥ म ध म पा र्श्या ॥ ध र्ग व र्ग
 अ रु स रु का क वि रु की ॥ व म
 या वा रु य रु वी ॥ अ न प र्श्या
 न म सु ग ॥ य न ॥ इ को श्री
 इ रु ॥ इ व रु वी ॥ य र्ग म स्त्रा
 वि रु सा य इ रु ॥ स्त्रा रु ॥
 ध नि ॥ इ व अ य नी रु व रु वी

ॐ श्रीगुरुदेवकी
नामो नमः ॥ इति मंत्रः ॥
नमः ॥ इति मंत्रः ॥
नमः ॥ इति मंत्रः ॥
नमः ॥ इति मंत्रः ॥
नमः ॥ इति मंत्रः ॥
नमः ॥ इति मंत्रः ॥
नमः ॥ इति मंत्रः ॥

[illegible]

नमस्तुते ॥ १ ॥ नमस्तुते
 गायत्री नमस्तुते ॥ २ ॥ वसिष्ठ
 नमस्तुते ॥ ३ ॥ विष्णु
 नमस्तुते ॥ ४ ॥ शिव
 नमस्तुते ॥ ५ ॥ ब्रह्मा
 नमस्तुते ॥ ६ ॥ इन्द्र
 नमस्तुते ॥ ७ ॥ अग्नि
 नमस्तुते ॥ ८ ॥ वायु
 नमस्तुते ॥ ९ ॥ अप्सरा
 नमस्तुते ॥ १० ॥

कन उ क इ इ इ इ ॥
७॥ उ व नी ॥ मा हा का से ॥
का न ॥ इ न म श्री म हा
का ले स ई से यु नि दा य
क र व ई से दा न ले क
इ व ने हा वा ए व म न
क मा हा का नी य च्छ न
प र्म न म स न ॥ पा न ॥
इ की मी क ह म हा का न
य इ म क ह इ स हा ॥
ध ॥ इ म हा का नी य
क क न र्म य अ व न र
सि ध इ इ इ इ स हा ॥ च्छ
न ॥ इ मा हा का ला य
क क व र्म रि न ग
वा नि व न ना अ म हा
मा नि नी म ले च नि इ म

कुरु ॐ श्री कुरु ॐ स्वाहा ॥
उवसे ॥ अरु पा न या ग ॥
क ग न ॥ ॐ नमः कुरु पा न ॥
य ॥ श्री नमः श्री नमः सु ग ॥
यान ॥ ॐ श्री श्री कुरु ॐ
उपा नय ॐ श्री कुरु ॐ स्वा
हा ॥ श्री नि ॥ ॐ श्री पा नो य
धे र्पि ॥ अ व ग न ॐ सि र्पि ॐ
ॐ स्वाहा ॥ श्री न ॥ ॐ श्री
उपा नो य ॐ श्री नमः श्री
ग व र्मु ॐ श्री नमः ॐ श्री पा
नो स्वाहा ॥ पा या दि ॥ ॐ
ॐ श्री पा नो य नमः स्वाहा ॥
ॐ श्री ग व र्मु य नमः स्वाहा ॥
ॐ श्री पा नो य नमः स्वाहा ॥
ॐ श्री ग व र्मु ॥ क प नमः
ॐ ॥ श्री ग व र्मु ॥ श्री ग ॥
ॐ नमः कुरु पा नो य ॥ श्री ग व

श्री म हा गुरु ॥ श्री पा नो य
नमः सु ग ॥ व र्मु ॥ ॐ नमः कुरु
उपा नो य ॐ श्री व र्मु ॐ
ॐ श्री सा कि ॥ श्री कुरु ॐ
ॐ श्री कुरु ॐ स्वाहा ॥ ॥
क नो ॐ व र्मु ॥ श्री व र्मु ॥
गुरु क पा ग ॥ क ग नो ॥
ॐ श्री क नो य नो य ॥ श्री
य र्मु नमः सु ग ॥ पा न ॥ ॐ
श्री श्री कुरु ॥ गुरु क नो य
श्री ॐ श्री कुरु ॐ स्वाहा ॥
य नि ॥ ॐ नमः कुरु क नो य
नो य ॐ श्री ॐ श्री ग न र्मु
य र्मु ॐ श्री स्वाहा ॥ श्री न ॥
ॐ नमः कुरु नो य ॥ श्री ग न
क व र्मु य ॥ न व र्मु ॥ श्री
वि र्मु ॥ गुरु क नो य ॥ श्री
पा या दि ॥ ॐ नमः कुरु क

नाम। नमो नमस्तुते ॥
इ न क व र्म य न म म
ला ॥ इ न व र्म ना भ ना
य न म स्तु ला ॥ य न ॥ न
क व र्म ॥ क क नि य प ॥
इ न म न न ना ना ना
य न व र्म ना ॥ म ला वि
र ॥ न क क ना ॥ नि म म
न ॥ व नि ॥ ॥ इ न क
ना ना ना ना य ॥ ॥ इ न व
नि ॥ न क २ स व ना ना
सो नि ॥ यो नि ॥ कु न ॥ इ
न ॥ इ ॥ स्तु ला ॥ ॥ ॥
य व र्म ॥ के न ना ॥ इ प
वि म नि स ॥ यो न व र्म
न व ॥ इ ॥ ॥ स्तु य नि र्म
म ॥ य म ॥ नि य ॥ वि र्म

य न ॥ नि र्म य ॥ ॥ ॥ स्तु य
वा र्म य र्म वी ॥ यो न प
न म कुरु ॥ यो न ॥ इ र्म
श्री र्म र्म व र्म वी ॥ यो न
न स्तु वि यो सा य र्म र्म
स्तु ला ॥ यो नि ॥ इ यो न
रु र्म व र्म वि र्म ॥ इ ॥
स्तु य नी ॥ ॥ ॥ स्तु य
य नी ॥ इ यो न व र्म र्म
व नी ॥ य र्म ॥ ॥ ॥ स्तु य
नी कुरु म व र्म ॥ यो न
रु नी ॥ य र्म ॥ वि र्म
न नी ॥ य र्म ॥ य र्म
रु य ॥ वि र्म ॥ य र्म
य न र्म ॥ य र्म ॥ य र्म
यो न नी ॥ यो यो नि ॥ इ र्म
रु य र्म ॥ य र्म ॥ य र्म

इंभीग वरुं यनमस्युला ॥
 उरुम नृणां भगवतम
 स्थाला ॥ उरुं उरुं उरुं
 यानि नमस्याला ॥ उरुं उरुं
 वारुनी नमस्याला ॥ उरुं क
 कागक नोना नोना यन
 मस्याला ॥ उरुं निजुननी
 दिना जायनमस्याला ॥ उरुं
 केना सपद गनमस्याला ॥
 उरुं उरुं उरुं नमस्याला ॥
 उरुं यानी धनु तस नृस्थान
 नमस्याला ॥ उरुं दानानस्या
 नृणां सनमस्याला ॥
 यन ॥ यन नृनृ
 कृष्णला ॥ यन नृपस्थान ॥ डि
 सिस्वा ॥ यन ॥ उरुं यान नृनृ
 उरुं वनी उरुं वरुं ॥ उरुं उरुं
 यनी कृष्णमव रुरुं ॥ पकाले

विसेरुवा ॥ यन यक्ष वि
 नृणां च नमसि नो उरु
 रुनी ॥ वरुं ॥ उरुं प वि
 म. स. उरुं वनी उरुं
 वलि ॥ उरुं उरुं सा नि यानि
 कृष्ण उरुं उरुं उरुं
 यन वरुं ॥ कृष्ण ॥ उरुं
 लो ग विसेरु वनी लो नृनृ
 नृन ॥ उरुं वरुं वनी नृनृ
 चक कृष्णि वि नृ प रुरुं पा
 उरुं उरुं वरुं वि नृ याना
 उरुं उरुं वनी यान प रुरुं नम
 कृष्णि ॥ यान ॥ उरुं कृष्णि
 कृष्ण उरुं वरुं वनी उरुं
 कि वि यान साय कृष्ण
 रु ॥ कृष्ण ॥ उरुं वि नृनृ
 उरुं नृनृ वरुं वनी वि नृ
 कृष्ण वरुं नृनृ वि नृनृ

इका ना कुले समं ध
 न नम स्यात् ॥ इ इ यानि
 कृणुयात् नम स्यात् ॥
 यत् ॥ कुरु म कुरु नि ॥
 नश्वर न च्छुनि ॥ अ
 यस्या काय शुभु स्त्री ॥
 गण ॥ इ वि लुव न्दु हे ल
 द निव र्भु इ वी भु वी स्वा
 म व र्भु ॥ ग क्क लो वि रु सि
 रया ॥ स्वा य र्भु दि नृ पा
 व नम स्ये ग नृ ज वा रु नी ॥
 वानि ॥ नो न ग रु व द धा
 वि भु वी ० इ द वानि ग
 क्र २ सा नि ॥ पा मि क्त
 उं श्री रु रु वानि ॥ ॥
 सव व रु ॥ क र्ग न ॥ इ
 रु नि न दि से इ वि रु य व
 रु हे न व इ वा ग लो रु क

स्यात् ॥ धान ॥ इ दि ल
 न्दु हे लो व नि य न क व
 र्भु इ दि भु वी स्वा म व र्भु
 न नृ सा स नि नृ क म र्भु
 वि नृ सा च रु रु ज ॥ म न
 रु ज ॥ दि नृ पा य च ॥ अ प
 न रु ज ॥ यी ॥ अ भि य च क र्भु
 न न सि ॥ पा य ॥ दि ॥ इ
 दि से च रु रु दि नम स्यात् ॥
 रु क म न पा ग र्भ ना य स्यात् ॥
 उ दि य न क व र्भु य न स्या
 त् ॥ इ रु रु वी भु वी
 य नम स्यात् ॥ ॥ उ न न
 वा रु न नम स्यात् ॥
 इ क र्ग नि क ना ग ग ज्ञा य
 नम स्यात् ॥ इ रु म व नि
 न दि स्यात् ॥ इ रु म क
 र्ग य र्भु नम स्यात् ॥ इ
 य की वि भु नम स्यात् ॥

नो ज्ञा य तम

मा भिक्षु भय लोभो न क
 को च न वि नु की को ना
 ह्या वा रु दधी ॥ अ न प ह
 न म सु र्ग ॥ पान ॥ इ को
 श्री ई रु द व दधी को ना
 को ना वि वी द्या सा य ई रु
 ट ह्या को ॥ व नि ध ई वि रु
 य व रु ले ले व ई वा ना
 हो रु द दधी अ व ग न
 २ वि व ई रु ट ह्या को ॥
 यान ॥ इ वि रु च रु हे न
 वे ह्या म व भू ॥ इ ना ना
 हो न क व भू ॥ न क म
 द्या ॥ वि न ग ॥ व रु रु
 को ॥ न न रु को ॥ वि रु
 पा न च ॥ अ प न रु को यो
 रु रु रु रु क यो न नी ॥
 पा या दि ॥ इ वि रु य च
 रु हे ले व न म ह्या को ॥

इ द म नू पा ध ना य न म
 ह्या को ॥ इ ह्या म व भू
 य न म ह्या को ॥ इ रु रु
 रु वा ना हो न म ह्या को ॥
 म हि ष वा रु नी न म
 ह्या को ॥ इ प न ना ना
 को य न म ह्या को ॥ इ च
 रु हा भ नी दि ना जा य
 न म ह्या को ॥ इ से च रु
 य ई ग न म ह्या को ॥ इ
 रु रु रु रु न म ह्या को ॥
 इ अ न को ना म म ह्या न
 ह्या को ॥ इ को ना मी रु
 र पा ले न ह्या को ॥ इ
 को ॥ क रु वि न क रु
 रु ॥ व रु वि ना न भू ॥
 ग न ॥ इ वि रु रु न रु
 ले व ॥ अ म व भू ॥ इ ना
 ना हि न क रु द भू ॥ ग को ॥

2364 I

ASPA ARCHIVES

2364 I

नेति कुमिह वा । स्वाय धी
वेन्द्र पात्र च नमस्क म हि
रघ दाहनी ॥ वलि ॥ इ द
क्रिनस दवद वी वा ना
ह । ॐ द वलि गृ क्र
सा कि । पाकि क ने उअ
ह ॐ ठ सा हा ॥ ॥
रघ व से । ग । स ग । ग
क ग न ॥ इ नम ग । स
ग । य । ग । ठ । म् । रघ । य । ध
न प र्म नम म् । ग ॥ ग न ॥
उ की श्री हं रु ग । न । य न
य । उं । आ । हं । रु । हं । सा । हा ॥
य नि ॥ इ ग । स । य । ग । य न
उ म् । रघ । य । ग । य ग न र
श्री हं रु रु ठ सा हा ॥ ध ॥
उ ग । स । य । न । य । ग । न । उ म
र ग । य । न । य । न । य । न । ग
दि नि य । हं । य । च । रु । हं । रु

नेम क न । लोभा द ले स
रा । य ने स क स य रु रघ
भी ध न रघ द्वा । य य ले रु
ले ध नो ॥ पा या । दि ॥ इ
इ र्ग न । य । य । नम सा हा ॥
उ ग । स । य । न । य । न । सा हा ।
उ ग म् । दि । य । नम सा हा ॥
उ रु म । वा । रु नि नम सा
हा ॥ इ ग । य । य नि य रु हि
य न सा हा ॥ अ ग ॥ श्री य
नु । य म् । य । न । नि । य । य ॥
इ वा क रु रु सा ॥ ग । रु ॥
इ न म । ॥ श्री दि क्क य न ।
य । दि । य । न । य । य । दि । क्क
क का य ग न । य नि नम
रु ग ॥ व नि ॥ इ नम ॥
श्री ग । स । य । न । य । स र्द
सा । य । य स म ना य । ॐ रु
व लि । न । रु ॥ सा कि । पा कि

कृत्तुं अर्कं कुरु सा हो

॥ ॥ यवस ॥ क्रमाल ॥
कगन ॥ ५ नमो क्रमाल
य ॥ विनो क भक्ति रुसि
च ॥ उमति रुयमा लेनी
क्रमाल वा रुय रुदी ॥ अ
न प्रसी नो म सु ग ॥ मान ॥
इं की श्री रुं रु क्रमान
विष्णी मा य रुं रु ठ सा हा ॥
धनि ॥ ५ क्रमाल ॥ अवन
ले २ सि र्च रुं रु ठ सा हा ॥
यान ॥ ५ नम क्रमाला य
न क्रव र्भ ॥ उ नया य
क म र्भ ॥ च रु रु ५ वि
रु या य च ॥ भक्ति रु नि
धाले नी ॥ पा या दि ॥ ५
उ क्रमाला य नम सा हा ॥
उ न क्रव र्भ य नम सा हा ॥
५ मयुत्ता स ना य नम सा

हा ॥ ५ ॥ प जा ॥ अ न ॥
न क्रव रु ॥ धन य रु
वि धय ॥ कर्त सी ॥ म न ॥
उ नम क्रमाला य मयु न
रान ॥ भवि र्भ ॥ क्रमाले
नम रु ग ॥ व नि ॥ ५ न
भा क्रमाला य ॥ ५ रु व
नि ॥ ग रु २ सा नि ॥ धा
कि ॥ क्रु रु ५ अ रु रु ठ
सा हा ॥ ५ ॥ यवस ॥
कगन ॥ ५ काले व रु
ले व ॥ क रु व रु ॥ ५ चा र्भ
रु न क्रव र्भ ॥ अ य व
म क्रु ठ वि रु रु य मे रु
क वि रु क ॥ चा र्भ रु वा
रु य रु दी ॥ यान प रु सी न
म रु र्भ ॥ यान ॥ ५ की
श्री रु रु ५ रु व रु दी ५ रु वि
को न क वि धी सा य रु रु

ॐ स्वाहा ॥ धनि ॥ ॐ कोल
 वद्य हेनव ॥ ॐ कोलिका
 धनी ॥ अवनग्न ॥ ॐ सिध
 ॐ रुठ स्वाहा ॥ धन ॥
 ॐ कासी चन्द्र हेनव
 कृष्ण वर्ध ॥ ॐ कासिका
 नकवर्ध ॥ कर्णवीथिग
 आसना ॥ मिथलकपि
 वरुक्षिजा ॥ मन्त्रेक्षिजा
 विरुपाक्ष च गगलक्षिजा
 स्त्री ॥ कर्णिकपालमूर्ध
 वा ॥ पाशादि ॥ ॐ कोल
 वन्द्य हेनव नम स्वाहा ॥
 ॐ दमनेपाठ धनाद्यनप
 स्वाहा ॥ ॐ कृष्ण वर्ध ॥ ग
 नमस्त्री ॥ ॐ रुठ
 चामिन्दाय नम स्वाहा ॥
 ॐ पुष्पा रुननम स्वा
 हा ॥ ॐ गगनानाङ्गा
 यनम स्वाहा ॥ ॐ जीव

वामाचमि नदिनाङ्गा
 यनम स्वाहा ॥ ॐ श्रीगन्ध
 र्धनम स्वाहा ॥ ॐ रुद्रव
 ले वक्रु नम स्वाहा ॥ ॐ
 ॐ किदि कला नमस्व
 र्धनम स्वाहा ॥ ॐ धवका
 धिरु गगाल नम स्वाहा ॥
 वरु ॥ अरु वि नकवन्द
 निव ॥ गगल ॥ ॐ रुद्र
 गनुस्त्री ॥ गगल ॥ ॐ कोन
 वन्द्य हेनव ॥ कृष्ण वर्ध
 ॐ चामिन्दा नकवर्ध
 वकासेविठ्ठलस्यवा स्वा
 यधविन्दु पागर्ध ॥ नम
 स्तु गगलानी ॥ वरु ॥
 ॐ वायव्य ॥ रुद्र धनी वा
 मीडा ॥ ककाल वन्दनी
 य ॥ ॐ रुद्र वरु ॥ गगल
 साकि पादि कर्ण ॐ गगल
 रुठ स्वाहा ॥ ॐ ॥

रामस ॥ वा को ॥ क ग भ ॥
इ नमः ॥ श्री वा वा वि वि य
वि वि वे ॥ नो ॥ धन पृष्ठी
नम सु ग ॥ यान ॥ इ को
भीरु वा वा वि य इ को
इ ॥ सा ला ॥ धनि ॥ इ
वा वि य ॥ धप ॥ अ व ग
इ ॥ इ ॥ सा ला ॥ ध ॥
इ नमः ॥ श्री वा वि य
वा वा म र्व वि वि व न
न क म र्व गी न ॥ दि र
रु वि रु वा ग ध नि ॥
वा वा दि ॥ इ वा वि य
नम सा ला ॥ इ वि ग व
इ नम सा ला ॥ इ वि
रु पा ॥ धन य नम सा ला
इ ॥ वा ॥ धन व न
इ ॥ धप ॥ लो न इ नि
सा ॥ ग ॥ इ नमः ॥ श्री

वा वि य ॥ वि र व र ॥ म
रा वि ने ॥ वा गी न धा सु
ग ॥ व वि ॥ इ न मा वा
वि य ॥ इ दि व वि न क
सा नि ॥ धा सि र ॥ इ र
इ ॥ सा ला ॥ न व म ॥
न क इ वा ग क ग न ॥
इ नमः ॥ श्री इ वा न पा ल
न क व द न ॥ धन पृष्ठी
नम सु ग ॥ यान ॥ इ को
श्री इ र इ इ वा न य र
श्री इ र सा ला ॥ धनि ॥
इ नम इ वा ग न ॥ धप
अ व ग ल र ॥ सि र इ र
सा ला ॥ धन ॥ इ न मा इ
वा ल पा ल य ॥ न क व न
न क म र्व वि न ग ॥ इ वा
न पा नो वा य ॥ पा धा
दि ॥ इ इ वा ल पा ल न म

श्रीम कोत्मा नृसिंह
 शुन नृ दाम नृसिंह
 नार्थ वध द वि नृसिंह
 धन द नृ विसि ॥ वृत्ति
 पूजा ॥ वास्तव पूजा
 तस्य नृ ॥ १० ॥
 इनेम श्रीम लोहे नृवाय ॥
 इनेम श्री यागममदाय
 सद्गोतावा मर्क दन्ता
 शिवि जा न नायक
 नृवा र्क नेमा स्य द ॥ इने
 म श्री वरि काय ॥ इने
 मायी नृव नृवे नृव
 मय गोसिद्ध लेक गव
 वधे नृसिंहि गा सुकि
 रुसि धर्मे दधी कोमा
 श्रीव नेम मुगे ॥ १० ॥

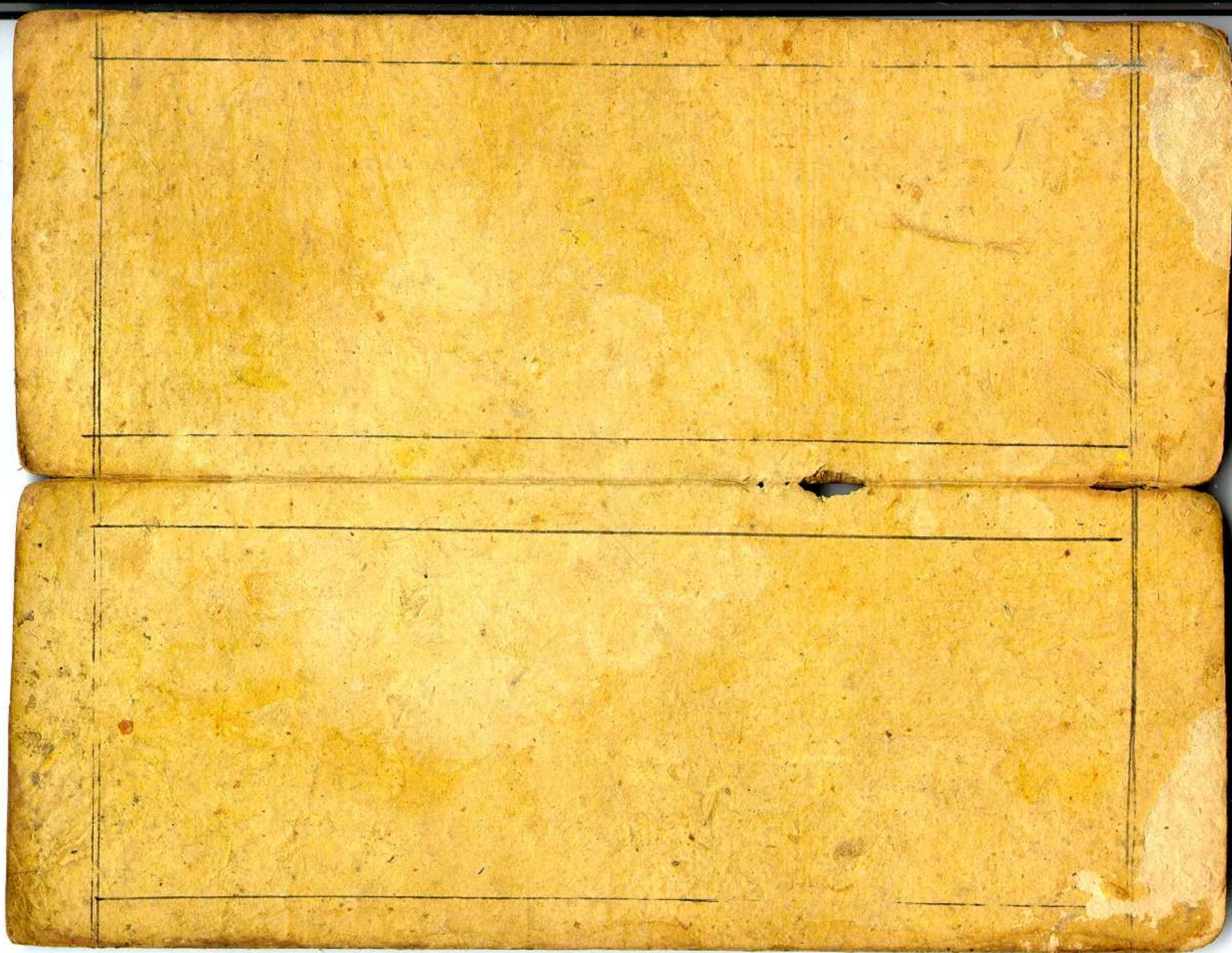
नृसिंह ॥ इनेक व नृसिंह
 नृनृम लो ॥ इनेवाय
 नृनृम लो ॥ नृनृ ॥
 नृक नृ ॥ नृनृ विधाय
 नृनृनृसिंह ॥ नृनृ ॥ इने
 म इवा नृपा नृय नृक
 व नृ मला विर्य इवाय
 पा नृनृपा सुगे ॥ वसि ॥
 इनेम इ वा नृपाय
 ॐ नृ वसि नृक इ
 कि पाकि क नृ इ नृ
 क नृ इ स्वा ॥ १० ॥
 धन नृ व लो नृपुजा ॥
 इनेमि नृना नृधर्म
 नृद सा निमला स वि क
 क नृ नृपा म निव कि
 क इ कि नृ नृ नृपा
 धन नृ नृ व नृव मा नृ
 पा नृ नृक नृ नृका

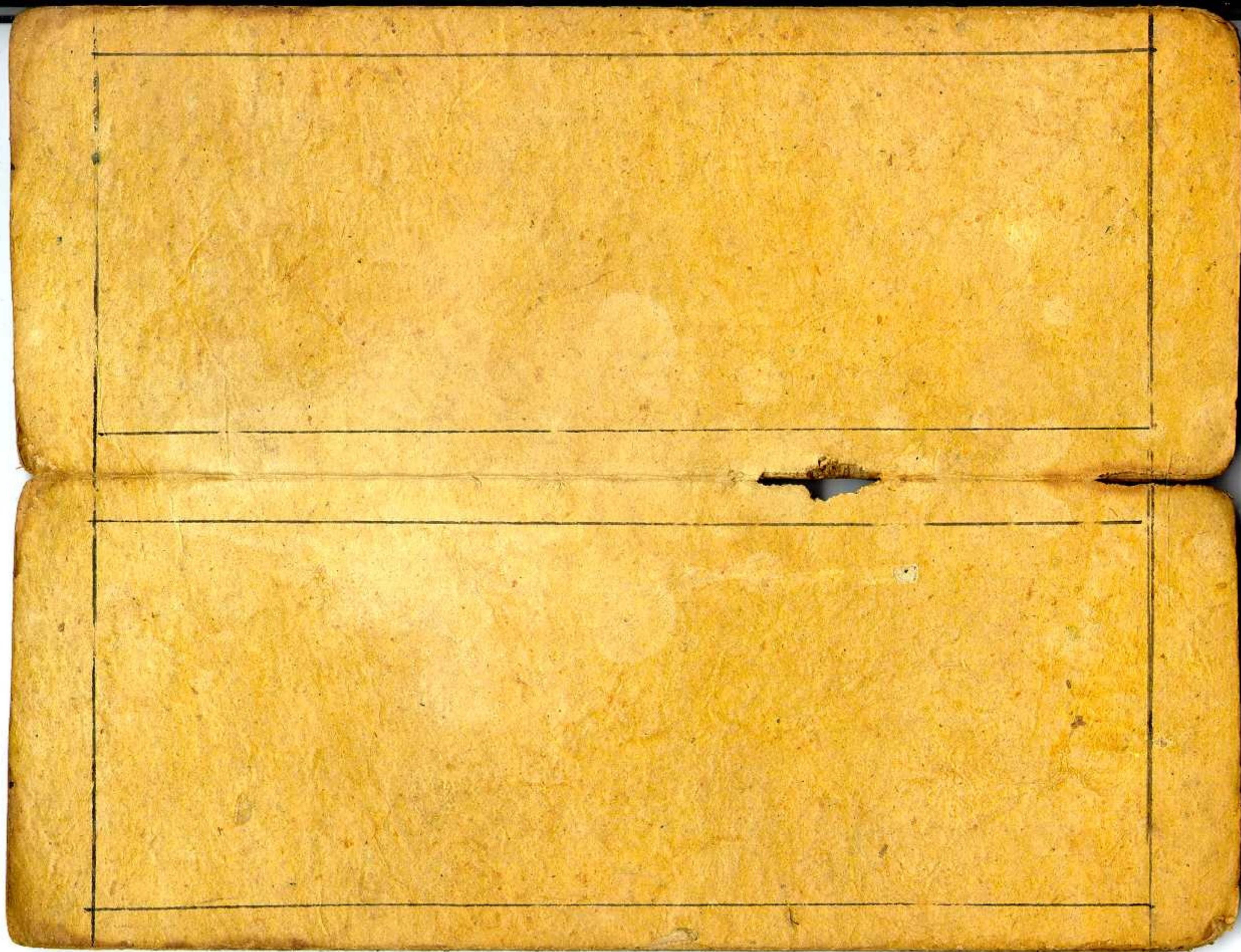
[illegible]

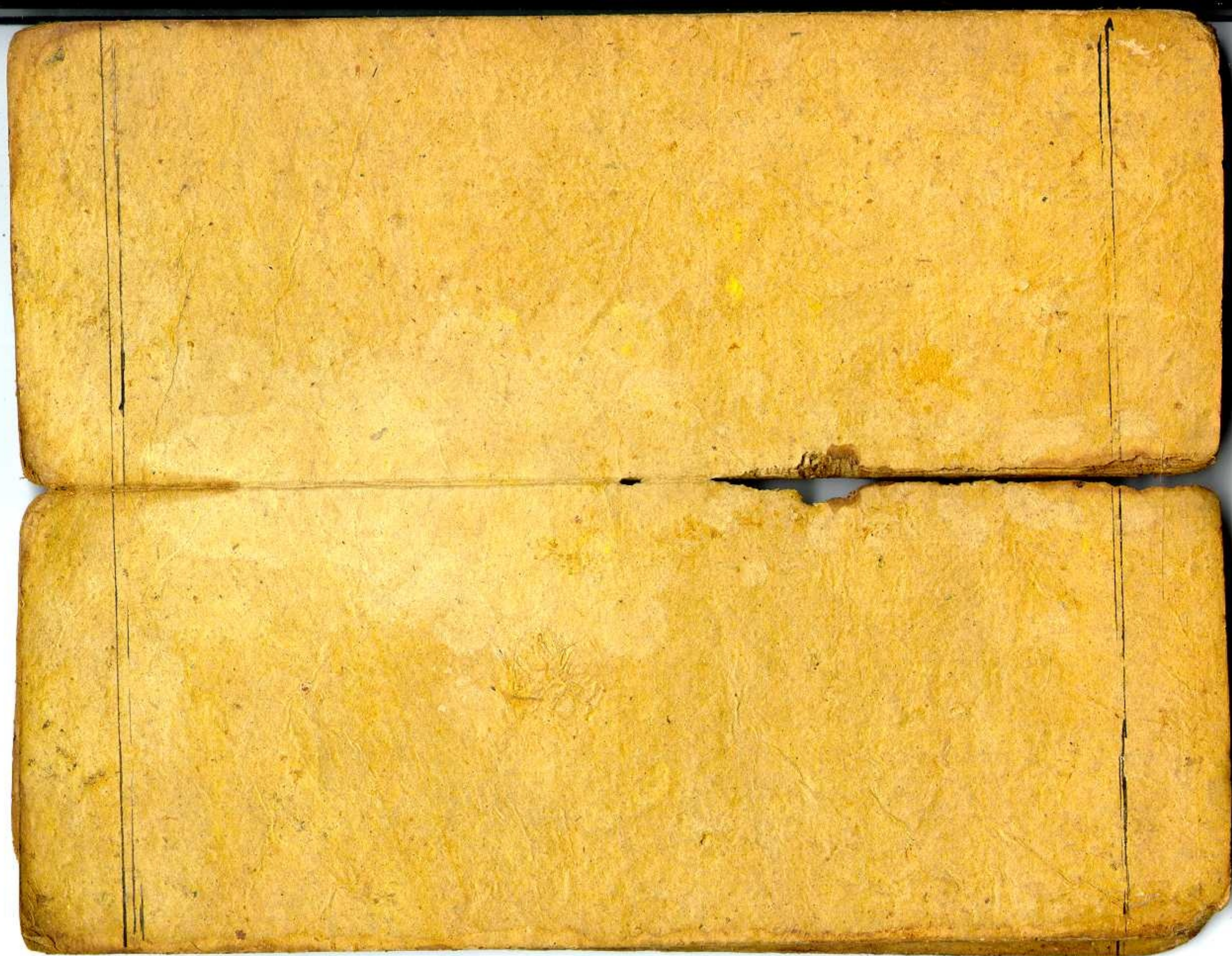
लव च्छे । सिंह वाह च्छे ।
 वञ्जनी नर सै रुवा
 कामासुखे विनासाय ।
 मलालक्री नमस्तुते ॥
 उं मलाकानाथ । कष्टत्र
 मु । समा नरथ । दधमा हा
 सन नरु क कृति कामा
 नथय विनि । मलाका न
 नमस्तुते ॥ उं नम सिद्धि
 य भक्त वधु । मलावि
 ले । सिद्धी नमस्तुते ॥
 उं नमस्तु पंच वधु नौ
 मरुत मधु वेधा चना
 नाथ पित्र दधनमस्तुते ॥
 उं नमस्तु पा नाथ । ध्व
 लवने । मला गेडु । रुने
 नमस्तुते ॥ स्व वसे ॥

बुद्धिर्वचनममुग ॥ इ
रुपचन्द्रशेखरः स्मर
नीवागदीमहिममान
रा नकवरेः स्रग्धरि
गा म्रलुमागधनाद
दी वागदि यनमसुग ॥
उनीलपतिश्च शेनभा
विद्धि गार्धादिनायक
सर्वविद्धि रुतं दवः का
नाथ नि नमसुग ॥ ॥
इरुमाले पलमिसकि
मग्रनासने सशिर
रुमाले नभासुग ॥ इ
कासे च नुशेनवः कसु
वनी चाम्रल्यः धगा
ले ले धः ककाले च नु
भुसुकि गा उमने पाग
धने ददी चाम्रल्यः य

नभा गङ्ग कनाना
गयः शिवनी मल
गङ्गा गङ्ग कनानाम
सुग ॥ इ इ धाले च नु
हेलवः शिपु नकवनी
शिवनी च नुशिरा
स्वामवतः भुधकि गा
भीसि च कधलुधनी
विष्टु दि नने नु ॥ इ वि
से च नु शे लद
ॐ ह्य मनी गङ्गा स
धः ककमव भुसि कि
वरुसः धनददी ॐ ह्य
यनी नभासुग ॥ इ वि स
च नु शे नवः शिपु नकव
नी दिष्टु नी ग नु दसे रा
स्वामवतः भुधकि गा
भीसि च कधलुधनी दि







፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ጳውሎስ
፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ጳውሎስ

፲፱

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥